(d) Question does not arise. Quality of

Russian sub-marines Sindhu

30. DR. MOHAN BABU: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether Russian sub-marines Sindhu purchased by India have not been found upto the expected quality; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI N.V.N. SOMU): (a) and (b) No, Sir. Some submarines of the Sindhu Class were acquired from Russia between 1986 & 1990. These submarines have many distinct design features such as a long range sonar, superior hull design, underwater manoeuvrability etc. The shortcomings of the submarines related to our climatic conditions. The problems have been overcome by the Indian Navy through indigenous/inhouse efforts over the last few years.

अत्याधुनिक जेट प्रशिक्षण विमानों की खरीद

31. **श्री सुन्दर सिंह भंडारी** : क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) अत्याधुनिक जेट प्रशिक्षण विमान खरीदने का मामला किस स्तर पर लम्बित हैं और इसके क्या कारण हैं

(ख) रखरखाव के तरीकें और हवाई दुर्घटनाओं को रोकने के लिए अनुसंधान सचिव, प्रो. अब्दुल कलाम द्वारा की गई सिफारिशों का ब्यौरा क्या हैं, और

(ग) गत तीन वर्षो में कितनी विमान दुर्घटनाएं हुई और कितने विमान चालक मारे गए और इसके परिणामस्वरूप कितना नुकसान हुआ?

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एन.वी.एन. सोमू) : (क) इस संबंध में चुनिन्दा विक्रताओं के साथ वाणिज्यिक बातचीत की जा रही हैं। उन्नत जेट प्रशिक्षक वायुयान नौवीं योजनावधि में खरीदने का प्रस्ताव हैं।

(ख) वायुयान दुर्घटनाओं से संबंधित डा. अब्दुल कलाम समिति ने अब तक अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की हैं।

(ग) विगत तीन वर्षो अर्थात् 1994-95, 1995-96 और 1996-97 में क्रमश: 25, 27 और 19 वायुयान दुर्घटनाएं हुई। इन वायुयान दुर्घटनाओं में क्रमश: 07, 15 और 07 पायलट मारे गए। विगत तीन वर्षो में अनन्तिम रूप से क्रमश: 152.30 करोड़ रू. 253.88 करोड़ रू. और 201.51 करोड़ रू. की हानि आकी गई हैं। किन्तु वर्ष 1996-97 में हुई वायुयान दुर्घटनाओं में से 3 दुर्घटनाओं से संबंधित अनन्तिम हानि की राशि इस वर्ष की अनन्तिम हानि के आंकड़ो में शामिल नहीं की गई हैं।

मनाली-शरबी और तान्दी संसारी सड़को का निर्माण

32. **श्री महेश्वर सिंह** : क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच हैं कि मानली शरची और तान्दी से किलाड़ के रास्ते होकर संसारी तक पहूंचने वाली सड़क के निर्माण का कार्य सीमा सड़क विकास बोर्ड को सौपा गया है

(ख) क्या यह भी सच हैं कि उन सड़को को क्रमश: स्केल-। तथा स्केल –॥ का दर्जा दिया गया हैं जिसके परिणामस्वरूप तान्दी-संसारी सड़क की तुलना में मनाली-शरची सड़क को खोलने हेतु प्राथमिकता दी जाती हैं और

(ग) क्या सरकार सीमावर्ती सड़क होने के नाते किलाड़ से होकर जाने वाली तान्दी-संसारी सड़क को भी स्केल-। का दर्जा दिए जाने पर विचार करेगी?

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एन.वी.एन. सोमू) : (क) जी, हां।

(ख) जी, हां।

(ग) सेना ने ऐसी किसी संक्रियात्मक आवश्यकता का प्रस्ताव नहीं रखा हैं।

हिन्डन हवाई अड्डे से उडाने बंद करना

33. **श्री सुन्दर सिंह भंडारी** : क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या वायुसेना के हिन्डन हवाई अड्डे से गत एक वर्ष से उड़ानें बंद कर दी गयी हैं, यदि हां तो, इसके क्या कारण हैं

(ख) गत सात वर्षो में इस हवाई अड्डे पर कितने विमान नष्ट हुए और किन किन कारणों से

(ग) इस हवाई अड्डे के दस किलोमीटर की परिधि में कितने कसाईखाने, ईट भट्टें एवं ऊंची चिमनियों वाली फैक्टरियां हैं, और

(घ) हिन्डन हवाई अड्डे को लडाकू विमानों की उड़ान के योग्य बनाने के लिए क्या कदम उठाये जा रहे है?

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एन.वी.एन. सोमू) : (क) यघपि, हिंडन वायुसेना स्टेशन से परिवहन वायुयान तथा हेलिकाप्टर अभी भी उड़ान भरते हैं तथापि, पक्षियों के टकराने से दुर्घटनाएं होने के कारण लडाकू वायुयानों की उड़ान रोक दी गई हैं।

(ख) पिछले सात वर्षो के दौरान मुख्यतः मानव भूल तकनीकी दोष तथा पक्षी टकराने के कारण पाचं वायुयान नष्ट हुए हैं।

(ग)हिंडन हवाई अड्डे के आसपास 10 कि.मी. के क्षेत्र में कसाईखानों, ईट भट्टों तथा ऊंची चिमनियों की सही-सही संख्या का अनुमान लगा पाना मुश्किल हैं। तथापि, किए गए हवाई सर्वेक्षण के अनुसार वहां लगभग 246 ईट भट्टों और लगभग 100 फुट ऊंची चिमनियों वाले 73 उघोग हैं।

(घ) कसाईघरों/पशु अवशेष उपयोग केंद्रों को आधुनिक बनाए जाने और पक्षियों के विचरण को कम करने के लिए पक्षियों के खतरे वाले हवाई अड्डों के आसपास के क्षेत्रों को साफ-सफाई करने के लिए कृषि तथा शहरी कार्य और रोजगार मंत्रालय तथा संबंधित राज्य सरकारों ने कार्रवाई की हैं।

Operation of domestic air service by foreign airlines from airports with naval and airforce bases

34. SHRI AMAR SINGH: Will the Minister of DEFENCE be pleased* to state:

(a) whether it is a fact that participation of foreign airlines in the operation of domestic air service from the airports like Bagdogra, Cochin, Goa, Visakhapatnam which are also naval and airforce bases is permissible; and

(b) if so, the justification in view, of the fact that the entry of foreign air crews would have access to vital and important technical information thereby creating a security hazard for the country?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI N.V.N. SOMU): (a) and (b) No foreign airlines has been permitted to operate domestic air services from defence air fields. Only Indian operators having valid DGCA clearance have been permitted. Any service operated by a foreigner has to have prior security approval of the Ministry of Defence & Ministry of Home Affairs.

Drinking water and other basic amenities to defence personnels in Hazipur line, Delhi Cantt.

35. SHRI NARESH YADAV: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether Government are aware that the defence personnel of Indian Army, who are residing in Government accommodation in Hazipur line, Delhi Cantt. are facing acute shortage of drinking water and the said maintenance work is under the MES;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether it is a fact that Block No. 26 of the said colony, is in dilapidated condition and the number of complaints pending with the MES authorities but could not be rectified; and

(d) if so, whether Government have taken any action to provide drinking water to the residents and other basic amenities to the defence personnel and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI N.V.N. SOMU): (a), (b) & (d) The